Press Clips

DATED : 13.09.2018

सितंबर के पहले पखवाड़े में ही बरसी औसत से ज्यादा बारिश

पिछले दस दिन में अच्छा लो प्रेशर डवलप होने से जमकर बरसा मानसून

भास्कर न्यूज | जयपुर

प्रदेश में इस बार मानसून के जून, जुलाई और अगस्त माह में ही औसत से कम बारिश हुई, लेकिन सितम्बर माह के दस दिनों से जमकर बरसात हो रही है इसका कारण यह रहा है कि दक्षिणी पश्चिमी मानसून अंतिम चरण में अच्छे लो प्रेशर एरिया के साथ एंट्री कर रहा है। मजबूत लो प्रेशर एरिया सिस्टम डवलप होने से राज्य के पूर्व जिलों में मानसूनी बादलों को बरसने के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिली बादल इन इलाकों में जम से गए और बारां, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, करौली में औसत से ज्यादा पानी बरसा।

तीन माह इसलिए कम बरसे बादल

बीते पांच साल में ऐसा तीसरी बार हुआ है कि जब अगस्त में सबसे कम बरसात हुई है। जून और जुलाई में भी मानसून उम्मीद के मुताबिक बारिश नहीं हुई। जबकि इन तीनों माह में ही कई बार घने बादल तो छाए और मौसम विभाग ने भी इस दौरान भारी बारिश होने संभावना भी जताई, लेकिन बादल बरसे नहीं। सावन तो पूरा ही सूखा गुजर गया। इसका कारण यह रहा है कि अरब सागर से उठने वाला दक्षिणी पश्चिमी मानसून बंगाल की खाड़ी की तरफ से देश में एंट्री ली और उड़ीसा, बिहार, यूपी और मध्यप्रदेश में ही बरस कर रहा गया और राजस्थान तक पहुंचते पहुंचते लो प्रेशर एरिया डवलप नहीं होने से यहां औसत से भी कम बरसात हुई।

बीसलपुर बांध में 5 सेमी पानी की आवक

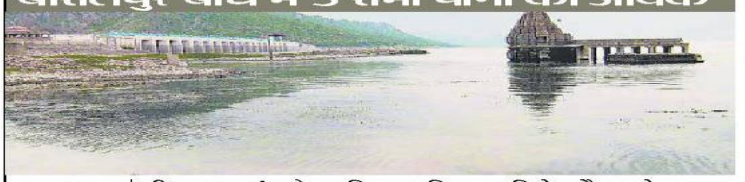

राजमहल | बीसलपुर बांध के कनिष्ट अभियन्ता दिनेश बैरवा ने बताया कि बीसलपुर बांध के जलग्रहण क्षेत्र व आस पास के क्षेत्र में हुई बारिश से बुधवार को बांध के जलस्तर में 5 सेमी पानी की आवक दर्ज की गई। जिससे बांध का जलस्तर बुधवार को 309.48 आरएल मीटर दर्ज किया गया है। त्रिवेणी का जलस्तर कम होकर 1.50 मीटर चल रहा है।

अरावली पर्वतमाला व पश्चिमी हवाएं बनाती है लो प्रेशर एरिया

प्रदेश में पश्चिम की ओर से चलने वाली गर्म हवाएं मानसूनी बादलों को आगे बढ़ने से रोकती है और मानसूनी बादल अरावली पर्वतमाला से पहले ही रह जाते है । इस दौरान जब बादलों को अच्छी नमी मिलती है तो पूर्वी राजस्थान में लो प्रेशर एरिया डवलप होता है और बादल जमकर बरसते है।

बीते दस दिन में हुई 69.42 मिमी बारिश : 1 से 15 सितम्बर तक में प्रदेश में औसत बारिश का आंकड़ा 64.6 मिमी है जबकि इस बार मजबूत मानसून सिस्टम डवलप होने से अब तक 69.42 मिमी बारिश हो चुकी है।

सितम्बर में मजबूत लो प्रेशर एरिया डवलप होने से अच्छी बरसात हुई। जबकि पहले सिस्टम तो बना, लेकिन राजस्थान तक आते आते बादल कमजोर पड़ गए या ऐसा माने कि लो प्रेशर एरिया नहीं बनने से बारिश नहीं हो पाई।
-शिव गणेश, डायरेक्टर मौसम विभाग, जयपुर

Date : 22.09.18 (Rajasthan patrika)

ालीघटाएं, धूलभरी आंधी और फिर बूंदाबांदी से राहत

शहर में तीन घंटे में 8 डिग्री गिरा तापमान

वेका न्यूज नेटवर्क
rika.com

पुर. दस दिन से तपती धूप के द शुक्रवार को अचानक मौसम ट गया। राजधानी के कई इलाकों कहीं बूंदाबांदी तो कहीं झमाझम । शहर में तीन घंटे में आठ डिग्री मान में गिरावट आई है। दोपहर बजे जहां 32.6 डिग्री सेल्सियस मान था, वहीं शाम साढ़े पांच 24.6 डिग्री से. दर्ज किया गया। मौसम पलटने से गर्मी की मार त रहे लोगों को हल्की राहत ी। राजधानी में शाम साढ़े चार अचानक काले बादल छा गए। भरी आंधी चलने लगी और के बाद हल्की बूंदाबांदी शुरू हो

गई। वैशाली, अजमेर रोड, सोडाला, भांकरोटा में हल्की बूंदाबांदी हुई लेकिन टोंक रोड, जेएलएन मार्ग, 22 गोदाम, राजापार्क इलाकों में झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को 3.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की। मौसम विभाग ने 24 सितम्बर तक प्रदेश में फिर भारी बारिश की संभावना जताई है। 22 सितम्बर को पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश की चेतावनी दी है। कई जिलों में प्रशासन को अलर्ट किया है।

इस वजह से आ रही है बारिश

बंगाल की खाड़ी में कई दिनों से मौसम में बदलाव आ रहा था। खाड़ी में हवा का रुख बदलने से गुरुवार रात से यह चक्रवात में बदल गया। इसके असर से राजस्थान में भी तेज हवा को दौर बना हुआ है। साथ ही शुक्रवार को अचानक बादलों की आवाजाही बढ़ी, जिससे बारिश हुई। चक्रवात की दिशा देश के पश्चिमी और उत्तरी-पश्चिमी हिस्सों में है। अब ओडिशा व आंध्रप्रदेश से होते हुए मध्यप्रदेश के रास्ते राजस्थान में चक्रवात प्रवेश कर सकता है।